सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

“अजनबियों के प्रति आदर-सत्कार करना न भूलो, क्योंकि कुछ लोगों ने बिना जाने ही स्वर्गदूतों का आदर-सत्कार किया
है।”

— इब्रानियों 13:2 (ERV-HI)

शालोम, मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों!
आज हम इस बात पर मनन करें कि परमेश्वर को पूरे दिल से समर्पित होना और लोगों के प्रति आतिथ्य दिखाना कितना महत्वपूर्ण है। परमेश्वर का वचन केवल एक मार्गदर्शक नहीं है – यह “मेरे पाँव के लिये दीपक और मेरी राह के लिये प्रकाश है।”
— भजन संहिता 119:105 (ERV-HI)

हमारी आत्मिक वृद्धि और हमारे जीवन का सजीव गवाही बनना, दोनों ही, इसी वचन के प्रति हमारे आज्ञाकारिता पर निर्भर करते हैं।

समर्पण और जीवित विश्वास

मैं एक युवा तंज़ानियाई लड़की के संपर्क में हूँ, जो ज़ाम्बिया में सीमा के पास रहती है। कम उम्र के बावजूद उसमें परमेश्वर के प्रति गहरा प्रेम है और वह उसकी सेवा करने के लिए तत्पर रहती है। वह अक्सर बहुत गहरे आत्मिक प्रश्न पूछती है, जैसे:

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

“वह कौन है जिसे हटाने पर भी कोई रोक नहीं सकता?”
“मैं स्वर्गदूत की आवाज़ और पवित्र आत्मा की आवाज़ में कैसे अंतर करूँ?”

इतनी कम उम्र में ऐसे प्रश्न उसकी आत्मिक परिपक्वता को दिखाते हैं।
हालाँकि उसका परिवार बहुत धार्मिक नहीं है और वह कई कठिनाइयों से गुजरती है, फिर भी वह निडर होकर सुसमाचार सुनाती रहती है। हाल ही में उसने बताया:

“COVID-19 के कारण यहाँ चर्च बंद थे, फिर भी मैं लोगों को प्रभु के बारे में बताने बाहर गई। जिनसे भी बात हुई, वे मेरा नंबर मांगने लगे ताकि मैं उनके लिये प्रार्थना कर सकूँ और उन्हें पाप से मन फिराव में मदद कर सकूँ।”

उसका जीवन जीवित विश्वास का एक उत्तम उदाहरण है।
याकूब 2:17 (ERV-HI) कहता है:

“यदि किसी के पास विश्वास तो हो, पर वह उसे कर्मों से प्रकट नहीं करता तो ऐसा विश्वास अपने आप में मरा हुआ है।”

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

सच्चा विश्वास हमेशा कर्मों, सेवा और आज्ञाकारिता के रूप में दिखाई देता है।

एक दिव्य मुलाक़ात

कुछ दिन पहले उसे एक अनुभव हुआ जो अब्राहम की स्वर्गदूतों से भेंट (उत्पत्ति 18:1–8) की याद दिलाता है। उसने बताया:

“कल सुबह जब मैं घर का काम कर रही थी, किसी ने मेरा नाम पुकारा। पहले मुझे लगा भ्रम है, पर बाहर देखा तो एक लंबा, अनजान आदमी खड़ा था। मैंने उसका अभिवादन किया। उसने मुझे पैसे, खाना, एक बाइबल, एक डायरी और एक पेन दिया। बाद में मुझे समझ आया कि वह यहोवा का भेजा हुआ स्वर्गदूत था। मेरे मन में ऐसी शांति भर गई कि मैं जान गई—परमेश्वर ने उसे मुझे प्रोत्साहित और आशीष देने भेजा था।”

यह अनुभव हमें याद दिलाता है कि स्वर्गदूत अक्सर चुपचाप और साधारण तरीक़े से काम करते हैं।
वे हमेशा स्वर्गीय महिमा में नहीं आते—कई बार बिल्कुल साधारण मनुष्यों की तरह दिखाई देते हैं (उत्पत्ति 18:2; इब्रानियों

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

13:2)।

स्वर्गदूत—सेवा करने वाले आत्मिक दूत

इब्रानियों 1:14 (ERV-HI) कहता है:

“वे सब स्वर्गदूत तो केवल ऐसे सेवक हैं जिन्हें परमेश्वर
अपने उन लोगों की सहायता के लिये भेजता है, जो उद्धार पाने
वाले हैं।”

स्वर्गदूत उन लोगों की रक्षा, मार्गदर्शन और सहायता करते हैं जो सच में परमेश्वर के पीछे चलते हैं।

आत्मिक दृष्टिकोण: परमेश्वर की प्रतिफल और गवाही

इस लड़की का अनुभव हमें सिखाता है कि समर्पण, आज्ञाकारिता और विश्वास की निष्ठा के कारण परमेश्वर अपने बच्चों को विशेष रीति से प्रोत्साहन और आवश्यकताओं की पूर्ति देता है।

जैसा कि यीशु ने कहा:

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

“इसलिये तुम पहले उसके राज्य और उसके धर्म की खोज करो। तब ये
सब वस्तुएँ तुम्हें भी मिल जाएँगी।”
— मत्ती 6:33 (ERV-HI)

यह सिद्धांत स्पष्ट है:
जब हम परमेश्वर को प्राथमिकता देते हैं, वह हमारी ज़रूरतों का ध्यान रखता है—कई बार चमत्कारिक और अप्रत्याशित तरीक़े से।

भजन 103:20 भी बताता है कि स्वर्गदूत परमेश्वर की इच्छा पूरी करते हैं और हमारी आज्ञाकारिता और विश्वास को उसके सामने प्रस्तुत करते हैं।

हर छोटी दया, हर सेवा, हर आज्ञाकारिता—स्वर्ग में देखी और संजोई जाती है।

हम अपने जीवन में क्या सीख सकते हैं?

• खुद को परमेश्वर के काम के लिये समर्पित करो।
मानव प्रशंसा के लिये नहीं—परमेश्वर की प्रसन्नता के लिये।

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

• आतिथ्य दिखाओ।
तुम नहीं जानते कि किस समय परमेश्वर किसी विशेष उद्देश्य से किसी को तुम्हारे पास भेज दे।

• विश्वास को कर्मों में दिखाओ।
सुसमाचार बाँटना, ज़रूरतमंदों की मदद करना, किसी को प्रोत्साहन देना—ये सब परमेश्वर की नज़र में बहुत मूल्यवान है।

• परमेश्वर की आपूर्ति के लिये सजग रहो।
वह अक्सर साधारण परिस्थितियों में असाधारण कार्य करता है।

उद्धार का बुलावा

यदि तुमने अभी तक उद्धार नहीं पाया है, तो यह अवसर हल्के में मत लो।
प्रेरितों के काम 2:38 (ERV-HI) कहता है:

“मन फिराओ और तुममें से हर एक प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले जिससे तुम्हारे पापों की क्षमा मिले और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओ।”

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य
दिखाएँ

पाप से मुड़ जाओ—चाहे वह शराबखोरी हो, यौन पाप हो, चोरी हो, pornography, गाली-गलौज, हिंसा, या कोई भी अन्य अधर्म।
एक जीवित, बाइबल-आधारित कलीसिया खोजो और बपतिस्मा लो। पवित्र आत्मा तुम्हें आगे मार्ग दिखाएगा।

अंतिम दिनों में जीवन

हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं।
उद्धार (Rapture) किसी भी क्षण हो सकता है।
COVID-19 ने दिखाया कि दुनिया अचानक कितनी बदल सकती है—जैसा कि बाइबल चेतावनी देती है।

इसलिए विश्वासियों को जागरूक, विश्वास में दृढ़ और प्रभु के आने के लिये तैयार रहना चाहिए—खुद के लिये भी और दूसरों को तैयार करने के लिये भी।

मरानाथा! प्रभु शीघ्र आने वाला है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

सीखो कि कैसे खुद को परमेश्वर को समर्पित करें और आतिथ्य दिखाएँ

GROUP….

Share on:
WhatsApp